an>

Title: Regarding the ban imposed on Indian Government representatives by the Gurudwara Management Committee on Ontario province of Canada

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना): मैडम, मैं एक बहुत ही गंभीर मुद्दे की तरफ आपका और सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ। 14 Gurdwara Management Committees in Ontario province of Canada have imposed a ban on Indian Government representatives. हिन्दुस्तान के कांसुलेट, जो कनाडा में है, उनको भी या जो भी हमारे मुलाज़िम कनाडा में हैं, उनको 14 गुरुद्वारों ने बैन कर दिया है। पिछले वषेग़ भी, जब इंडियन कांसुलेट ने कनाडा में अखण्ड पाठ रखा था, ऐन मौके पर उसे कैंसल कर दिया। जो प्रो-खालिस्तानी लोग हैं, जो हमेशा हमारे सीएम, डीजीपी को धमकी देते रहते हैं। वे हमेशा कोई न कोई कांट्रैक्ट किलिंग पंजाब में कराने की कोशिश करते हैं, ने यह फैसला किया कि 14 गुरुद्वारों में नहीं जाने देंगे और ऐसा आस्ट्रेलिया में भी किया गया। उन्होंने कहा है कि यदि इंडियन कांसुलेट आते हैं, ऑफिशियल्स आते हैं, तो हम अन-ईज़ी फील करते हैं, हमें अच्छा फील नहीं होता है।

इसमें दो बातें हैं। सिखों के बारे में ऐसा करके, बड़े-बड़े देशों के साथ हिन्दुस्तान के रिश्ते खराब हो रहे हैं। दुनिया में सिखों की जो छवि बनी हुई है, वह खराब हो रही है। यहाँ पर मंत्री जी बैठे हैं, मैं आपके माध्यम से उनसे पूछना चाहता हूँ कि ऐसी कौन-सी बात हुई, ऐसा कौन-सा मुद्दा आया कि गुरुद्वारों ने हमारे कांसुलेट और इंडियन ऑफिशियल्स को बैन कर दिया? यह हमारे लिए एक बहुत बड़ी बात है, यह बहुत ही शर्म की बात है। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटीज को भी सोचना चाहिए कि ऐसा करने से उनको हिन्दुस्तान की मदद नहीं मिलेगी, यदि ऑफिशियल्स को बैन किया जाएगा, तो इसे पंजाब सरकार भी सहन नहीं करेगी। इसलिए जो बैन लगाया गया है, उसे जल्दी से जल्दी हटाना चाहिए क्योंकि भारत सरकार से उनको रोज काम पड़ते हैं और वे पंजाब में भी रोज आते हैं। इसलिए हमारी सरकार की तौहीन करना, हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके पीछे प्रो-खालिस्तानी लोग हैं, चाहे वे वहाँ पर बैठकर कितने भी ताकतवर हो जाएँ, हम उनको कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

माननीय अध्यक्ष : श्री शरद त्रिपाठी को श्री रवनीत सिंह द्वारा उठाये गये विषेय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।